Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding employment of local people in industries in Rajasthan.

श्री हनुमान बेनीवाल: सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद दूंगा कि आपने मुझे ज़ीरो आवर में बोलने का अवसर दिया ।

महोदय, राजस्थान के भीलवाड़ा, राजसमन्द व चित्तौड़गढ़ जिले में खनन एवं सीमेन्ट उद्योग में कार्यरत मजदूरों व स्थानीय लोगों के आंदोलन हमेशा चलते रहते हैं । मैं रोजगार मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहूंगा कि वहां स्थानीय लोगों को रोजगार मिले । उन्हें रोजगार मिले, जिनकी जमीन अधिग्रहीत हो गई । आज वहां बड़े उद्योग लग गए, फैक्ट्रियां लग गईं, लेकिन वहां के स्थानीय लोग रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं । वे हमेशा आंदोलित रहते हैं । आपके माध्यम से मैं सरकार से मांग करूंगा कि दरीबा, रामपुरा आगूचा और निंबाहेड़ा सहित अन्य स्थानों पर ये उद्योग श्रमिकों के हितों के साथ एवं उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं । इन जिलों में सीमेन्ट व खनन उद्योग से जुड़ी कंपनियां स्थानीय लोगों को रोजगार देने में आनाकानी करती है ।

सभापति महोदय, इसके साथ ही, मजदूरों के स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर भी लापरवाही बरतती है।

माननीय सभापति, मैं माँग करूँगा कि दिल्ली से एक टीम का गठन करके मजदूरों की समस्याओं पर मंथन किया जाए । स्थानीय मजदूरों व अन्य मशीनरी के कार्यों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने के लिए पाबंद करें।

सभापति महोदय, केन्द्र सरकार स्थानीय लोगों को संबंधित क्षेत्रों में लगे उद्योगों में 80 प्रतिशत रोजगार देने का एक्ट बनाए, क्योंकि वहाँ के लोगों की जमीन अधिग्रहित कर ली जाती है और उनको उन उद्योगों में रोजगार भी नहीं मिलता है । वे बिल्कुल बेरोजगार हो जाते हैं।

सभापति महोदय, मैं विशेष रूप से इस सरकार से माँग करता हूँ कि स्थानीय लोगों को 80 प्रतिशत रोजगार मिले।...(व्यवधान)

माननीय सभापति: हनुमान बेनीवाल जी, एक ही तो माँग होती है । अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।